नवजात शिशु की जांच

आपके बच्चे के स्वास्थ्य के लिए

NEW YORK STATE | Department of Health

मेरे बच्चे का टेस्ट क्यों किया जाता है?

यह सुनिश्चित करने में मदद के लिए कि आपका बच्चा यथासंभव स्वस्थ रहे। ब्लड टेस्ट आपके बच्चे के स्वास्थ्य के बारे में ज़रूरी जानकारी प्रदान करता है जिसे अन्यथा आप और आपके डॉक्टर शायद नहीं जान पाएं। नवजात शिशु का जांच प्रोग्राम (Newborn Screening Program) उन शिशुओं की पहचान करता है जिन्हें कई दुर्लभ, लेकिन इलाज के काबिल बीमारियों में से एक हो सकती है जिनके लक्षण तुरंत दिखाई नहीं देते हैं। जल्दी पता लगने से और चिकित्सकीय इलाज से, गंभीर बीमारी और यहां तक कि कभी-कभी मौत को भी रोका जा सकता है, इस वजह से हमारे लिए आपके बच्चे के सैंपल का टेस्ट करना और परिणामों की रिपोर्ट आपके बच्चे के डॉक्टर को देना बहुत ज़रूरी है। अपने बच्चे के परिणामों के बारे में अपने बच्चे के डॉक्टर से पूछें।

क्या नवजात शिशु की जांच कोई नई चीज़ है?

नहीं, नवजात शिशु का जांच प्रोग्राम हरेक राज्य में होता है। न्यूयॉर्क राज्य का प्रोग्राम सार्वजनिक स्वास्थ्य कानून (Public Health Law) के तहत अनिवार्य है, और यह 1965 में शुरू हुआ था। कुछ बीमारियां बच्चे की जीवन में बहुत पहले ही प्रभाव डाल सकती हैं – यहां तक कि शुरुआती कुछ दिनों में भी। सर्वोत्तम रूप से इलाज कारगर होने के लिए समय पर टेस्ट करवाना और रोग-निर्णय महत्वपूर्ण हैं।

मेरे बच्चे का कितनी बीमारियों के लिए टेस्ट किया जाता है?

यह संख्या 1965 में एक से बढ़कर आज 45 से ज़्यादा हो गई है। वे इस बुकलेट में मौजूद हैं। हालांकि ये बीमारियां दुर्लभ हैं, न्यूयॉर्क में हर दिन पैदा होने वाले 300 बच्चों में से 1 को इनमें से एक बीमारी होती है।

ज़्यादातर बीमारियां गंभीर होती हैं और जानलेवा भी हो सकती हैं। कुछ बिमारियों का अगर पता न चले और इलाज न किया जाए तो ये बच्चे के विकास को धीमा कर सकती हैं, बौद्धिक विकलांगता का कारण बन सकती हैं, बच्चे में संक्रमण के खतरे को बढ़ा सकती हैं, या अन्य समस्याएं पैदा कर सकती हैं। **इसीलिए:**

जल्द इलाज करवाना बहुत ज़रूरी है!

लेकिन मेरा बच्चा बिल्कुल स्वस्थ लग रहा है। क्या फिर भी ये टेस्ट ज़रूरी हैं?

हां। नवजात शिशु के जांच प्रोग्राम द्वारा पहचान किए गए ज़्यादातर बीमार शिशुओं में जन्म के तुरंत बाद बीमारी के कोई लक्षण नहीं दिखाई देते और वे स्वस्थ दिखते हैं। इन विशेष लेबोरेटरी टेस्ट के ज़रिए, हम ऐसे बच्चे की पहचान कर सकते हैं जिसे इनमें से कोई एक बीमारी हो सकती है और बच्चे के डॉक्टर को अधिक टेस्ट और विशेष देखभाल की ज़रूरत के बारे में बता सकते हैं। ज़्यादातर मामलों में, आपके बच्चे में लक्षण दिखाई देने या वह बीमार होने से पहले इलाज शुरू करना बहुत ज़रूरी होता है। कई बीमारियां जेनेटिक होती हैं और वे बच्चे के माता-पिता से उसमें आ जाती हैं।

हरेक बच्चे में जीन के दो सेट होते हैं – एक अपनी माता से और दूसरा अपने पिता से। कभी-कभी जीन के सिर्फ एक ही सेट में समस्या होती है, पर क्योंकि दूसरे सेट में समस्या नहीं होती, इसलिए बच्चा बीमार नहीं होता है। इन बच्चों को वाहक कहा जाता है। हालांकि ये बच्चे बीमार नहीं हैं, इसका मतलब यह है कि कम से कम एक या कभी-कभी उसके माता-पिता दोनों ही वाहक होते हैं। नवजात शिशु की जांच से संबंधित टेस्ट कभी-कभार कुछ जेनेटिक रोगों

के वाहकों की पहचान कर सकते हैं, लेकिन प्रोग्राम को इस तरह बनाया नहीं गया कि वह **सभी** वाहकों को ढूंढ पाए। *अगर आपके बच्चे का वाहक के रूप में परिणाम आता है तो जेनेटिक काउन्सलिंग लेना ज़रूरी है क्योंकि ज़्यादातर माता-पिता जो वाहक हैं उन्हें यह बात पता नहीं होती है। काउंसेलर इस जानकारी को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं।*

लेकिन हमारे परिवार में बच्चों को कभी ऐसी कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या नहीं हुई।

जिन माता-पिता ने पहले स्वस्थ बच्चों को जन्म दिया है, उन्हें कोई भी समस्या आने की उम्मीद नहीं होती है, और वे लगभग हमेशा सही ही होते हैं। पर फिर भी एक संभावना रह जाती है कि आपके नवजात शिशु को शायद इनमें से कोई एक बीमारी हो। इनमें से हरेक बीमारी बहुत दुर्लभ है, और इसकी संभावना बहुत ज़्यादा है कि आपके बच्चे को इनमें से कोई भी बीमारी नहीं होगी, पर कुल मिलाकर न्यूयॉर्क में हर दिन पैदा होने वाले 300 बच्चों में से 1 को इनमें से एक बीमारी होती ही है। आपके नवजातक की नवजात शिशु जांच का नकारात्मक परिणाम इस बात की गारंटी नहीं देती कि भविष्य में होने वाले आपके बच्चे नकारात्मक ही होंगे। कुछ बच्चे और माता-पिता बीमारियों के वाहक हो सकते हैं, भले ही आपके परिवार में किसी को कोई बीमारी न हो। कई परिवार भविष्य में होने वाले अपने बच्चों और परिवार के दूसरे सदस्यों के लिए इन जोखिमों को बेहतर ढंग से समझने के लिए जेनेटिक काउन्सलिंग लेते हैं। *यह याद रखना भी ज़रूरी है कि नवजात शिशु की जांच से उन सभी बच्चों का पता **नहीं** चलता जो इन जेनेटिक बीमारियों के वाहक हैं।* ये टेस्ट इस तरह बनाए गए हैं ताकि इन जेनेटिक बिमारियों वाले ज़्यादातर बच्चों का पता चले।

मेरे बच्चे का टेस्ट कैसे किया जाता है?

सभी टेस्ट बच्चे की एड़ी में हलके से सुई चुभाकर लिए गए खून के एक छोटे से सैंपल पर किए जाते हैं। खून को एक खास फ़िल्टर पेपर पर रखा जाता है। आमतौर पर जन्म के 24 से 36 घंटे बाद सैंपल लिया जाता है। सैंपल को अल्बानी में राज्य स्वास्थ्य विभाग (State Health Department) की लेबोरेटरी में टेस्ट के लिए भेजा जाता है।

क्या मुझे टेस्ट के परिणाम मिलेंगे?

हॉस्पिटल में नर्स को अपने बच्चे के डॉक्टर या क्लिनिक का नाम और कार्यालय की जानकारी बताना न भूलें। उस डॉक्टर को परिणामों के बारे में बताया जाएगा और कोई भी समस्या हो तो वे तुरंत आपसे संपर्क करेंगे। निश्चित करने के लिए, जब आप अपने बच्चे को उसके सबसे पहले चेक-अप के लिए डॉक्टर के पास या क्लिनिक में लाएं तो परिणाम के बारे में पूछें। हॉस्पिटल की नर्स आपको एक गुलाबी फ़ॉर्म देगी, जो आपको यह बताएगा कि आपके बच्चे के डॉक्टर से टेस्ट के परिणामों को कैसे प्राप्त करना है।

अगर सभी टेस्ट का परिणाम नकारात्मक हो तो क्या इसका मतलब यह है कि मेरा बच्चा स्वस्थ होगा?

नवजात शिशु का जांच प्रोग्राम बच्चे को होने वाली कई बीमारियों में से सिर्फ कुछ का ही पता लगाता है। इसके अलावा, इन बीमारियों वाले कुछ बच्चों की पहचान कई कारणों से नहीं भी हो सकती है। आपको अपने बच्चे को उसके सारे चेक-अप के लिए डॉक्टर के पास या क्लिनिक में लाना चाहिए। अनपेक्षित लक्षणों या व्यवहार के विषय में अपने बच्चे पर हमेशा नजर रखें और कुछ गड़बड़ लगे तो तुरंत डॉक्टर को कॉल करें।

आपके नवजातक की नवजात शिशु जांच का नकारात्मक परिणाम इस बात की गारंटी नहीं देती कि भविष्य में होने वाले आपके बच्चों को कोई बीमारी नहीं होगी। साथ ही, नवजात शिशु की जांच से उन सभी बच्चों का पता **नहीं** चलता जो इन जेनेटिक बीमारियों के वाहक हैं। वाहकों में एक जीन फेरबदल होता है लेकिन वे स्वस्थ होते हैं। बच्चे और उनके माता-पिता किसी बीमारी के पारिवारिक इतिहास के बिना भी वाहक हो सकते हैं। कई परिवार भविष्य में होने वाले अपने बच्चों और परिवार के दूसरे सदस्यों के लिए बीमारी और वाहक संबंधी जोखिमों को बेहतर ढंग से समझने के लिए जेनेटिक काउन्सलिंग लेते हैं।

क्योंकि किसी बीमारी की वजह से बच्चा जल्दी बहुत बीमार पड़ सकता है, डॉक्टर टेस्ट के दूसरे समूह के परिणामों का इंतज़ार करते हुए तुरंत बच्चे का इलाज करेंगे। अगर आपसे अपने बच्चे का टेस्ट दोबारा करवाने को कहा जाता है, तो कृपया अपने बच्चे को जितनी जल्दी हो सके ले आएं, ताकि दोबारा टेस्ट तुरंत किया जा सके, ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि आपके बच्चे को इलाज की ज़रूरत है या नहीं।

अगर मेरे बच्चे को इनमें से कोई एक बीमारी हो तो क्या होगा?

टेस्ट की गई सभी बीमारियों के इलाज उपलब्ध हैं जो बीमारी के प्रभाव को कम कर सकते हैं।

न्यूयॉर्क राज्य में हर दिन पैदा होने वाले 300 बच्चों में से 1 को जांची गई बीमारियों से एक बीमारी होती है!

क्या "दोबारा टेस्ट कराएं (repeat test)" का मतलब यह है कि मेरे बच्चे को कोई बीमारी हो सकती है?

ऐसा ज़रूरी नहीं। कई कारणों से बार-बार टेस्ट करने की ज़रूरत हो सकती है। सबसे आम वजह यह होती है कि खून को विशेष फ़िल्टर पेपर पर सही तरीके से नहीं रखा गया था। आमतौर पर इसका मतलब यह नहीं होता है कि आपके बच्चे में कोई समस्या है। इसका बस इतना ही मतलब है कि जितनी जल्दी हो सके खून का एक और सैंपल लेना होगा।

जब पहले टेस्ट के परिणाम कोई समस्या का इंगित करते हैं, तो जांच से संबंधित टेस्ट फिर से न दोहराए जाने तक परिणामों को निर्णयक नहीं माना जाता। इसके लिए खून के नए सैंपल की ज़रूरत होती है। आमतौर पर, बच्चे की दूसरी जांच का परिणाम भी असामान्य हो तो डॉक्टर आगे के डायग्नोस्टिक टेस्ट की ज़रूरत पर बातचीत करेंगे। बहुत ही दुर्लभ मौकों पर, कभी-कभी अगर विशेष आहार या अन्य चिकित्सकीय इलाज जल्दी शुरू कर दिया जाए तो लक्षणों को पूरी तरह से रोका जा सकता है। इनमें से ज़्यादातर बीमारियों का इलाज बहुत पेचीदा है, और चिकित्सा देखभाल का समन्वय किसी ऐसे डॉक्टर द्वारा किया जाना चाहिए जो उस विशिष्ट बीमारी में विशेषज्ञ हों।

अगर मेरे नवजात शिशु को कोई बीमारी है, तो क्या भविष्य में होने वाले मेरे बच्चों को भी यह बीमारी होगी?

यह बीमारी पर निर्भर करता है। इनमें से ज़्यादातर बीमारियां जेनेटिक होती हैं और वे बच्चों में उनके माता-पिता से आ जाती हैं। नवजात शिशु की जांच का नकारात्मक परिणाम इस बात की गारंटी नहीं देती कि भविष्य में होने वाले बच्चों को वह बीमारी नहीं होगी। साथ ही, नवजात शिशु की जांच से उन सभी बच्चों का पता **नहीं** चलता जो इन जेनेटिक बीमारियों के

वाहक हैं। वाहकों में एक जीन फेरबदल होता है और वे स्वस्थ होते हैं। बच्चे और उनके माता-पिता उस बीमारी के पारिवारिक इतिहास के बिना भी वाहक हो सकते हैं। कई परिवार यह बेहतर ढंग से समझने के लिए कि उनके बच्चे को यह बीमारी कैसे हुई और भविष्य में होने वाले अपने बच्चों और परिवार के दूसरे सदस्यों के लिए बीमारी और वाहक संबंधी जोखिमों को समझने के लिए जेनेटिक काउन्सलिंग चाहते हैं। कुछ बीमारियां वंशानुगत नहीं होतीं। उदाहरण के लिए, पैदाइशी हाइपोथायरायडिज़्म की कई वजह होती हैं, जबकि HIV संक्रमण एक वायरस की वजह से होता है, जीन फेरबदल से नहीं।

मेरे बच्चे का HIV टेस्ट क्यों किया जाता है?

हम HIV एंटीबॉडी की मौजूदगी देखने के लिए बच्चे का टेस्ट करते हैं। अगर टेस्ट का परिणाम सकारात्मक आता है, तो इसका मतलब है कि माता में वायरस है और हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि बच्चा उस वायरस से संक्रमित न हो। HIV संक्रमित माता से उसके बच्चे में जन्म से पहले, प्रसव के दौरान या स्तनपान के दौरान फैल सकता है। NYS में, बच्चे के जन्म से पहले ज़्यादातर गर्भवती महिलाओं का HIV के लिए टेस्ट किया जाता है। आदर्श रूप से, बच्चे को HIV संक्रमण से बचाने के लिए गर्भावस्था और प्रसव के दौरान माता को दवा मिलनी चाहिए।

इन टेस्ट पर मुझे कितना खर्च करना पड़ेगा?

कुछ नहीं। ये टेस्ट परिवारों के लिए मुफ़्त किए जाते हैं।

मैं डॉक्टर के लिए अपने बच्चे की सहायता करना आसान कैसे बना सकता/सकती हूं?

सबसे पहले, आप उस हॉस्पिटल की नर्स को आपका बच्चा कहां पैदा हुआ था और आपके बच्चे के डॉक्टर का नाम बताना न भूलें ताकि जरूरत पड़ने पर हम डॉक्टर से संपर्क कर सकें। अगर आप अपना डॉक्टर बदल लेते हैं, तो हमें ईमेल या कॉल करके बताएं (इस बुकलेट के पीछे देखें)। अगर आपका डॉक्टर आपसे अपने बच्चे को दोबारा टेस्ट करवाने के लिए लाने को कहता है, तो जितनी जल्दी हो सके ऐसा करें। अगर आपके बच्चे को कोई बीमारी ***है***, तो जल्द कदम उठाना बहुत ज़रूरी है।

यदि आपके पास टेलीफ़ोन नहीं है, तो अपने डॉक्टर को किसी ऐसे व्यक्ति का फ़ोन नंबर दें जो आपसे तुरंत संपर्क कर सके। अगर आप अपने बच्चे के जन्म के बाद जल्द ही अपना ठिकाना बदलते हैं, तो तुरंत अपने डॉक्टर या क्लिनिक को अपना नया पता और फ़ोन नंबर बताएं। तब आपके डॉक्टर को मालूम होगा कि अगर आपके बच्चे को और टेस्ट या इलाज की ज़रूरत हो तो वह आपसे कहां संपर्क करें।

याद रखें, वक़्त बहुत ज़रूरी होता है।
माता-पिता के रूप में, आप यह सुनिश्चित करने में नवजात शिशु के जांच प्रोग्राम की मदद कर सकते हैं कि आपका बच्चा यथासंभव स्वस्थ है, यह सुनिश्चित करके कि आपके बच्चे के डॉक्टर को पता है कि आप तक कैसे पहुंचना है।

सूचित रहें: अपने बच्चे के डॉक्टर से उसके नवजात शिशु की जांच के परिणाम प्राप्त करें!

नवजात शिशु की जांच के बारे में और ज़्यादा जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट पे जाकर देखें।

न्यूयॉर्क राज्य के नवजात शिशु के जांच प्रोग्राम द्वारा पहचानी गईं बीमारियां

ग्रुप		बीमारियां
एंडोक्रिनोलॉजी		जन्मजात एड्रिनल हाइपरप्लासिया (Congenital adrenal hyperplasia, CAH)
		पैदाइशी हाइपोथायरायडिज़्म (Congenital hypothyroidism, CH)
हेमेटोलॉजी, हीमोग्लोबिनोपैथी		Hb SS बीमारी (सिकल सेल एनीमिया)
		Hb SC बीमारी
		Hb CC बीमारी
		अन्य हीमोग्लोबिनोपैथी
संक्रामक बीमारियां		HIV के संपर्क में आना
चयापचय संबंधी पैदाइशी त्रुटियां	अमीनो एसिड संबंधी बीमारियां	होमोसिस्टिनुरिया (Homocystinuria, HCY)
		हाइपरमेथियोनिनिमिया (Hypermethioninemia, HMET)
		मेपल सिरप मूत्र बीमारी (Maple syrup urine disease, MSUD)
		फ़िनाइलकीटोनुरिया (Phenylketonuria, PKU) और हाइपरफ़िनाइलएलानिमिया (Hyperphenylalaninemia, HyperPhe)
		टायरोसिनिमिया (Tyrosinemia) (TYR-I, TYR-II, TYR-III)
	फ़ैटी एसिड ऑक्सीकरण संबंधी बीमारियां	कार्निटाइन-एसिलकार्निटाइन ट्रांसलोकेस कमी (Carnitine-acylcarnitine translocase deficiency, CAT)
		कार्निटाइन पामिटॉयलट्रांसफ़रेज़ I (Carnitine palmitoyltransferase, CPT-I) और II (CPT-II) कमियां
		कार्निटाइन अपटेक समस्या (Carnitine uptake defect, CUD)
		2,4-डीनॉयल-CoA रिडक्टेस कमी (2,4-Dienoyl-CoA reductase deficiency, 2,4Di)
		लॉन्ग-चैन 3-हाइड्रोक्सिएसाइल-CoA डिहाइड्रोजेनेज़ कमी (Long-chain 3-hydroxyacyl-CoA dehydrogenase deficiency, LCHAD)
		मीडियम-चैन एसाइल-CoA डिहाइड्रोजेनेज़ कमी (Medium-chain acyl-CoA dehydrogenase deficiency, MCAD)
		मीडियम-चैन कीटोएसाइल-CoA थायोलेज़ कमी (Medium-chain ketoacyl-CoA thiolase deficiency, MCKAT)
		मीडियम/शार्ट-चैन हाइड्रोक्सिएसाइल-CoA डिहाइड्रोजेनेज़ कमी (Medium/short-chain hydroxyacyl-CoA dehydrogenase deficiency, M/SCHAD)
		माइटोकॉन्ड्रियल ट्राइफ़ंक्शनल प्रोटीन कमी (Mitochondrial trifunctional protein deficiency, TFP)
		एकाधिक एसाइल-CoA डिहाइड्रोजेनेज़ कमी (Multiple acyl-CoA dehydrogenase deficiency, MADD) (जिसे ग्लूटेरिक एसिडिमिया टाइप II [Glutaric acidemia type II, GA-II] भी कहा जाता है)
		शार्ट-चैन एसाइल-CoA डिहाइड्रोजेनेज़ कमी (Short-chain acyl-CoA dehydrogenase deficiency, SCAD)
		वैरी लॉन्ग-चैन एसाइल-CoA डिहाइड्रोजेनेज़ कमी (Very long-chain acyl-CoA dehydrogenase deficiency, VLCAD)

ग्रुप		बीमारियां
चयापचय संबंधी पैदाइशी त्रुटियां	आर्गेनिक एसिड संबंधी बीमारियां	ग्लूटेरिक एसिडिमिया टाइप I (Glutaric acidemia type I, GA-I)
		3-हाइड्रॉक्सी-3-मिथाइलग्लुटरिल-CoA लाइज़ कमी (3-Hydroxy-3-methylglutaryl-CoA lyase deficiency, HMG)
		आइसोब्यूटिरिल-CoA डिहाइड्रोजेनेज़ कमी (Isobutyryl-CoA dehydrogenase deficiency, IBCD)
		आइसोवैलेरिक एसिडिमिया (Isovaleric acidemia, IVA)
		मैलोनिक एसिडिमिया (Malonic acidemia, MA)
		2-मिथाइलब्यूटिरिल-CoA डिहाइड्रोजेनेज़ कमी (2-Methylbutyryl-CoA dehydrogenase deficiency, 2-MBCD)
		3-मिथाइलक्रोटोनिल-CoA कार्बोक्सिलेज़ कमी (3-Methylcrotonyl-CoA carboxylase deficiency, 3-MCC)
		3-मिथाइलग्लुटाकोनिक एसिडिमिया (3-Methylglutaconic acidemia, 3-MGA)
		2-मिथाइल-3-हाइड्रॉक्सीब्यूटिरिल-CoA डिहाइड्रोजेनेज़ कमी (2-Methyl-3-hydroxybutyryl-CoA dehydrogenase deficiency, MHBD)
		मिथाइलमैलोनिल-CoA म्यूटेज़ कमी (Methylmalonyl-CoA mutase deficiency, MUT), कोबालामिन A,B (Cobalamin A,B, Cbl A,B) और कोबालामिन C,D (Cobalamin C,D, Cbl C,D) सहकारक की कमियां और अन्य मिथाइलमैलोनिक एसिडिमिया (Methylmalonic acidemias, MMA)
		माइटोकॉन्ड्रियल एसिटोएसिटाइल-CoA थायोलेज़ कमी (Mitochondrial acetoacetyl-CoA thiolase deficiency) (बीटा-कीटोथायोलेज़ कमी) (Beta-ketothiolase deficiency, BKT)
		एकाधिक कार्बोक्सिलेज़ कमी (Multiple carboxylase deficiency, MCD)
		प्रोपियोनिक एसिडिमिया (Propionic acidemia, PA)
	यूरिया चक्र संबंधी बीमारियां	आर्जिनिनिमिया (Argininemia, ARG)
		आर्जिनिनोसुकिनिक एसिडिमिया (Argininosuccinic acidemia, ASA)
		सिट्रुलिनिमिया (Citrullinemia, CIT)
अन्य जेनेटिक बीमारियां		एड्रिनोलुकोडिस्ट्रोफ़ी (एक्स-लिंक्ड)
		बायोटिनिडेज़ कमी (Biotinidase deficiency, BIOT)
		सिस्टिक फ़ाइब्रोसिस (Cystic Fibrosis, CF)
		गैलेक्टोसिमिया (Galactosemia, GALT)
		गुआनिडिनोएसीटेट मिथाइलट्रांसफ़रेज़ कमी (Guanidinoacetate methyltransferase deficiency, GAMT)
		क्राब बीमारी
		म्यूकोपॉलीसेकाराइडोसिस टाइप I (Mucopolysaccharidosis type I, MPS I)
		पोम्पे बीमारी
		गंभीर संयुक्त रोग प्रतिरोधक की कमी वाली बीमारी (Severe Combined Immunodeficiency Disease, SCID)
		रीढ़ की हड्डी में मस्कुलर एट्रोफ़ी (Spinal muscular atrophy, SMA)

न्यूयॉर्क राज्य के नवजात शिशु का जांच प्रोग्राम और सूची में दी हुईं बीमारियों के बारे में और जानकारी के लिए कृपया हमारे वेबपेज **www.wadsworth.org/programs/newborn** पर जाएं

न्यूयॉर्क राज्य के नवजात शिशु का जांच प्रोग्राम राज्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा नवजात शिशुओं वाले परिवारों को प्रदान की जाने वाली एक सेवा है।

ज़रूरी: नवजात शिशु की जांच के बारे में सवाल हैं? क्या आपको हमें अपने बच्चे के डॉक्टर के बारे में जानकारी देनी है? हमें पत्र लिखें, कॉल करें या हमारी वेबसाइट पर जाएं:

Newborn Screening Program
Wadsworth Center
New York State Department of Health
P.O. Box 22002
Albany NY 12201-2002

Email: nbsinfo@health.ny.gov

www.wadsworth.org/programs/newborn

प्रिय माता-पिता,

आपके बच्चे के सैंपल को नवजात शिशु के जांच प्रोग्राम द्वारा 10 साल तक सुरक्षित परिस्थितियों में संग्रहीत रखा जाएगा, जहां पहुंच को सख्ती से नियंत्रित किया जाता है। ज़रूरत पड़ने पर, आपकी सहमति से सैंपल का इस्तेमाल आपके बच्चे के नैदानिक उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। सैंपल के एक हिस्से से वह सारी जानकारी भी हटा दी जाएगी जिससे आपके बच्चे की पहचान हो सकती है और इसका इस्तेमाल सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी खोज में किया जा सकता है जिसकी समीक्षा और अनुमोदन सभी लागू कानूनों और नैतिक दिशानिर्देशों के अनुपालन की देखरेख करने वाले बोर्ड द्वारा किया जाता है। आप (518) 473-7552 पर कॉल करके निर्देश प्राप्त कर सकते हैं ताकि अपने बच्चे के सैंपल को नष्ट करने या सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी खोज में इस्तेमाल किए जाने से रोकने का इंतज़ाम कर सकें। ज़्यादा जानकारी के लिए आप हमारी वेबसाइट पर जा सकते हैं या फ़ॉर्म की एक कॉपी डाउनलोड करने के लिए हमें आपके लिखित अनुरोध की ज़रूरत होगी। ध्यान दें: अनुरोध करने पर, हम सैंपल को पूरी तरह से नष्ट कर देंगे। हम आपके जन्म देने के बाद से 8 हफ़्तों तक ऐसा नहीं कर सकते।

NEW YORK STATE | Department of Health